KU Newsletter

January 2026/ Edition 10, Vol. 1 पौष, विक्रम संवत १० ८२

www.kuk.ac.in

ए++ की उपलब्धि में प्लैटिनम की चमक

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने रचा इतिहास, देश में सर्वप्रथम एनईपी–2020 लागू करने पर मिला प्लैटिनम पुरस्कार

द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में
आपका स्वागत है
शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान 2025 समारोह में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा एवं हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा से विश्वविद्यालय की उपलब्धि के लिए प्लैटिनम अवार्ड प्राप्त करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा।

कुवि परिसर। दूरदर्शिता, त्वरित क्रियान्वयन और नूतन प्रयास–कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की यही पूंजी थी, जिसने उसे एनईपी–2020 क्रियान्वयन में देश का अग्रणी बनाया और प्लैटिनम सम्मान दिलाया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) के सर्वप्रथम, समयबद्ध और पूर्ण प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (केयूके) को हरियाणा राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन उत्कृष्टता सम्मान–2025 में प्लैटिनम अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह सम्मान 29 दिसंबर को पंचकूला स्थित स्वर्ण जयंती भवन में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित समारोह में दिया गया। इस अवसर पर हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा एवं हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा को प्लैटिनम ट्रॉफी प्रदान की।

मूल्यांकन में तीन श्रेणियाँ – प्लैटिनम (90 प्रतिशत से अधिक), गोल्ड (75 से 90 प्रतिशत) और सिल्वर (75 प्रतिशत से कम) – निर्धारित की गई थीं।

पूरे मूल्यांकन में प्लैटिनम श्रेणी में केवल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को चुना गया, जबकि 10 संस्थानों को गोल्ड एवं 16 को सिल्वर श्रेणी में अवॉर्ड प्राप्त हुए।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रो. सोमनाथ सचदेवा के नेतृत्व में कुवि ने एनईपी–2020 के सभी प्रावधानों को सर्वप्रथम प्रभावी रूप से लागू कर देश के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया है। बहुविषयक शिक्षा, लचीले पाठ्यक्रम, कौशल विकास और छात्र–केंद्रित शिक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय की पहल सराहनीय है।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार और प्रशासनिक दक्षता के उच्च मानकों के कारण कुवि को यह सम्मान मिला है और एनईपी–2020 के क्रियान्वयन में इसकी भूमिका अग्रणी रही है।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुवि हरियाणा का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है जिसे नैक द्वारा ए–प्लस–प्लस ग्रेड प्राप्त है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय एवं इसके संबद्ध महाविद्यालयों में बहुविषयक शिक्षा, लचीली पाठ्यक्रम व्यवस्था, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी), कौशल विकास, शोध एवं नवाचार को प्राथमिकता दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नेतृत्व, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया।

शिक्षा के साथ–साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी कुवि ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान सशक्त की है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ी एवं सांस्कृतिक दल लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने भी कुलपति को शुभकामनाएं देते हुए इसे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बताया और कहा कि एनईपी के सभी प्रावधानों का सर्वप्रथम क्रियान्वयन कुवि की प्रशासनिक प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है।

यह उपलब्धि न केवल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है, बल्कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा की उपस्थिति को भी राष्ट्रीय पटल पर दृढ़ बनाती है।

उल्लेखनीय है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने एनईपी–2020 को सर्वप्रथम लागू करने के लिए बड़ी ही कारगर रणनीति बनाई। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निर्देशन में विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम ने बड़ी बारिकी से एनईपी–2020 को जाना और समझा। एक व्यवस्थित रणनीति से डीन स्तर के अधिकारियों ने शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित किया और पाठ्यक्रम को इसके अनुरूप बनाने के लिए सभी निर्देशों का पूरी तरह पालन किया। पाठ्यक्रम निर्माण के कार्य का कई स्तर पर मूल्यांकन किया गया। इसके लागू होते ही विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग एक दूसरे जुड़े और अंतर्वैषियिक पठन–पाठन की संस्कृति बढ़ी, जो देश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मिसाल साबित हुई।

2025 में कुवि ने रिसर्च–प्लेसमेंट में गढ़ी नई पहचान

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
KURUKSHETRA UNIVERSITY

कुवि परिसर। 2025 का वर्ष कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (कुवि) के लिए उपलब्धियों का नया अध्याय लेकर आया है। रिसर्च, नवाचार और कॉरपोरेट प्लेसमेंट के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किए, जिनके कारण कुवि का नाम राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से उभरा है। विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में हुए अनुसंधान कार्यों और उद्योग–सहयोग को प्लेसमेंट में शानदार परिणामों के रूप में देखा गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 2025 में शोध–पत्रों, पेटेंट और इंडस्ट्री–लिंकज में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विभागों के बीच समन्वय, नयी तकनीक अपनाने और छात्रों को प्रयोग–आधारित शिक्षा प्रदान करना इन उपलब्धियों के पीछे मुख्य कारण माने जा रहे हैं। प्लेसमेंट सेल के अनुसार इस साल अग्रणी कंपनियों की कैंपस विजिट में वृद्धि हुई और कई विदेशी कंपनियों ने भी रुचि दिखाई।

विभिन्न विभागों में नयी लैब्स की स्थापना, इनोवेशन हब, स्टार्टअप प्रोत्साहन और स्किल–डेवलपमेंट प्रोग्राम्स ने भी इस प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि आगे की योजना में अधिकाधिक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी और रिसर्च अनुदान को बढ़ाना शामिल है।

सरकारी योजनाओं और उद्योग–ढांचे के साथ तालमेल से 2026 में और ऊँचाई प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्वविद्यालय का कहना है कि लक्ष्य केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों में उद्यमिता और सामाजिक नवाचार को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

> "कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 2025 में यह साबित किया है कि जब परंपरा और नवाचार साथ चलते हैं, तब उपलब्धियां सिर्फ परिणाम नहीं, बल्कि पहचान बन जाती हैं।"
> **–प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।**

2025 की प्रमुख उपलब्धियां

120+ अंतरराष्ट्रीय शोध–पत्र प्रकाशित
35 नए पेटेंट फाइल
80 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट सफलता
12 अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग समझौते (एमओयू)

प्लेसमेंट में नया कीर्तिमान

150+ अग्रणी कंपनियों की विजिट
उच्चतम पैकेज: ₹ लाख प्रति वर्ष
औसत पैकेज में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी
25 छात्रों को विदेशी ऑफर लेटर

कुवि में स्टार्टअप्स की उड़ान तेज, कुटिक के तहत तीन स्टार्टअप्स से समझौता

नए स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन और सहयोग देना विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता: कुलपति

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल करते हुए तीन उभरते हुए स्टार्टअप्स और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र (कुटिक) के बीच त्रिपक्षीय ऊष्मायन (इन्क्यूबेशन) समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस कदम का उद्देश्य परिसर में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना एवं तकनीक–आधारित नवाचारों को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आज विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की चुनौतियों के समाधान में सक्रिय भागीदारी निभाना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कुवि तकनीक–संचालित उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, उद्योग से जुड़ाव और बाजार की जरूरतों को समझने में सहायता प्रदान कर रहा है।

स्टार्टअप्स के साथ समझौते के अवसर पर मौजूद कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल, स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि एवं कुवि के अधिकारी।

कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल ने बताया कि स्टार्टअप्स को दो वर्षों के लिए कुटिक में शामिल किया गया है, जहां उन्हें संरचित ऊष्मायन सहयोग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं संस्थागत संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। कुटिक के समन्वयक डॉ. अजय जांगड़ा ने बताया कि शामिल स्टार्टअप्स कृषि नवाचार, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और पर्यावरण संरक्षण जैसे उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

इन स्टार्टअप्स में जोइटा बायोसीडएआई प्रा. लि. नैनो जिंक व नैनो आयरन आधारित उर्वरकों से मृदा स्वास्थ्य सुधार के क्षेत्र में कार्य रहा है। वहीं सुक्समा मेडटेक प्रा. लि. माइक्रोनीडल आधारित ड्रग डिलीवरी पैच विकसित कर कम हस्तक्षेप वाली स्वास्थ्य सेवा पर काम कर रहा है। वहीं वनरक्षएआई सॉल्यूशंस प्रा. लि. आईओटी आधारित तकनीक से अवैध वृक्ष कटान रोकथाम, वन अग्नि पहचान व पर्यावरण निगरानी की तकनीक पर काम कर रहा है।

प्रो. दिनेश कुमार ग्लोबल रैंकिंग्स के निदेशक नियुक्त

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अनुशंसा पर भू–भौतिकी विभाग के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार के पुनर्नियोजन को स्वीकृति प्रदान की है। यह पुनर्नियोजन 5 दिसम्बर 2025 से प्रभावी होगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

अधिसूचना के अनुसार, प्रो. दिनेश कुमार अपने विभागीय दायित्वों के साथ–साथ विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के अंतर्गत डायरेक्टर, ग्लोबल रैंकिंग्स के रूप में कार्यभार संभालेंगे। विश्वविद्यालय का मानना है कि यह निर्णय शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक मानकों के अनुरूप संस्थान की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

प्रो. पूनिया ने कहा कि प्रो. दिनेश कुमार का व्यापक अनुभव और अकादमिक नेतृत्व विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग तथा वैश्विक पहचान को सुदृढ़ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।

विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक: प्रो. ढींगरा

कुवि परिसर। विश्वविद्यालय के सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में 26 दिसम्बर को एक दिवसीय इन–हाउस शिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को बदलते शिक्षण–पद्धतियों, मानसिक स्वास्थ्य, संचार कौशल और तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक बनाना था, ताकि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं केयूआईईटी के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि आज के समय में शिक्षक की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना भी उतना ही अनिवार्य है। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उनके उत्साह की सराहना की। रिसोर्स पर्सन के रूप में सुगनी देवी स्कूल, लाडवा की प्राचार्या पूजा छाबड़ा एवं द मिलेनियम स्कूल की वरिष्ठ शिक्षिका अर्चना ने प्रशिक्षण दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुखविंद्र सैनी ने कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम शिक्षकों में आत्मविश्वास और दक्षता बढ़ाते हैं।

स्मृतिगंध 2.0: देश–विदेश में स्थापित एलुमनी का ऐतिहासिक पुनर्मिलन

कुवि परिसर। पुराने विद्यार्थियों को मौके–मौके पर याद करना व सम्मानित करना कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा का हिस्सा बन चुका है। पिछले कई सालों से विश्वविद्यालय इस पर काफी ध्यान दे रहा है। इसी कड़ी में स्टैटिस्टिक्स एंड ऑपरेशंस रिसर्च विभाग द्वारा आयोजित एलुमनी मीट 'स्मृतिगंध 2.0' का भव्य और गरिमामय आयोजन 9 दिसंबर को किया गया। इस अवसर पर यूएसए और चीन सहित देश–विदेश से आए पूर्व छात्रों ने सहभागिता की और विभाग के स्वर्णिम अतीत से जुड़े अपने भावनात्मक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग की यात्रा और उपलब्धियों पर आधारित एक लघु डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसने सभी को पुरानी यादों को ताजा कर दिया।

7th December, 2025
Venue : Senate Hall, Kurukshetra University, Kurukshetra

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक पहचान उसके एलुमनी होते हैं और वे ही विश्वविद्यालय के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर होते हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. एम.एस. कादियान ने कहा कि एलुमनी का अनुभव और मार्गदर्शन वर्तमान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत मूल्यवान है। विभाग और एलुमनी के बीच मजबूत संबंध बनाए रखना हमारा और इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

यूएसए से डॉ. परमजीत सिंह विर्क, चीन से प्रो. ब्रिज मोहन और आईएसएस के मुकेश आहूजा ने अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव साझा करते हुए बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में प्राप्त शिक्षा ने उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। वूर्टजाइट इंडिया प्रा. लि. के निदेशक हरीश कुमार ने कहा कि डेटा एनालिटिक्स, एआई भविष्य के प्रमुख क्षेत्र हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत अनेक शख्सियत बनी आईएमसीएमटी की पॉडकास्ट में मेहमान

स्वदेशी महोत्सव में मीडिया चौपाल बना आकर्षण का केंद्र

कुवि परिसर। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा पंचकूला में आयोजित स्वदेशी महोत्सव 2025 के दौरान मीडिया चौपाल का सफल आयोजन किया गया। यह चौपाल 19 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चली, जिसका आयोजन विरासत हेरिटेज विलेज मसाना के सहयोग से माननीय कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा की अनुशंसा पर किया गया।

मीडिया चौपाल में प्रदेश सरकार के कई गणमान्य मंत्री, स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, वरिष्ठ अधिकारी तथा स्वदेशी जागरण मंच से जुड़ी अनेक प्रतिष्ठित विभूतियों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए। चौपाल का मुख्य उद्देश्य हरियाणवी संस्कृति को सशक्त करते हुए प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना रहा।

इस मंच पर हरियाणा के साथ–साथ पंजाब और हिमाचल प्रदेश से भी स्वदेशी को आगे बढ़ाने में सक्रिय कई महान विभूतियों ने अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी कोई प्रयोग नहीं, बल्कि एक विचार है, जो हमें अपनी मिट्टी से जोड़ता है, हमारी पुरातन व्यवस्थाओं को जीवित रखता है और आजीविका के नए अवसर सृजित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी के आवाहन से देश की प्रतिभाओं को देश में ही रोजगार मिलेगा और पुराने रोजगार संसाधनों को पुनर्जीवित कर 'हर हाथ को काम' के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया चौपाल में अपने विचार रखते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ने की नई प्रेरणा मिलती है और वे बाहर रोजगार खोजने की बजाय देश में ही स्वावलंबन की ओर अग्रसर होते हैं। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यवाहक माननीय कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वदेशी को अपनाकर ही सामाजिक विकारों से मुक्ति पाई जा सकती है और व्यवस्था को पुनः सुदृढ़ किया जा सकता है।

मीडिया चौपाल में खेल एवं युवा मामलों के मंत्री गौतम, कृष्ण लाल पवार, महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती रेनू भाटिया सहित फिल्म जगत से जुड़े पंजाबी सिनेमा के कई कलाकारों ने भी सहभागिता की। यह चौपाल एक ऐसा मंच बना, जहां खास लोगों के साथ–साथ आम नागरिकों ने भी खुलकर अपने विचार रखे।

पंचकूला में आयोजित इस मीडिया चौपाल के दौरान टीम द्वारा कुल 70 पॉडकास्ट तैयार किए गए। मीडिया चौपाल का आइडिया और संपूर्ण डिजाइन जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी के निदेशक प्रो. महा सिंह पूनिया द्वारा किया गया। उन्होंने इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष पॉडकास्ट भी किया। आयोजन को सफल बनाने में तकनीकी प्रबंधक डॉ. सतीश राणा, संस्थान के छात्र लक्ष्य बंसल, अर्जुन सिंह, गजेंद्र सिंह, लक्ष्य चौहान, अरुण कुमार एवं अन्य छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व शांति सम्मेलन में कुवि की दमदार उपस्थिति, विधि संस्थान के शिक्षकों ने बढ़ाया विश्वविद्यालय का मान

कुवि परिसर। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में 20 दिसम्बर को आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ ज्यूरिस्ट्स एंड राइटर्स फॉर वर्ल्ड पीस में भाग लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विधि संस्थान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार और डॉ. रमेश सिरोही ने विश्वविद्यालय का ओहदा अंतरराष्ट्रीय मंच पर और भी सशक्त किया। यह सम्मेलन इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जूरिस्ट्स द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया के 100 से अधिक प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञ, शिक्षाविद् और शोधकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य था– वैश्विक शांति, न्याय और समकालीन विधिक चुनौतियों के बीच सेतु निर्माण।

सम्मेलन में डॉ. रमेश सिरोही ने "डिजिटल गवर्नेंस एंड रूल ऑफ लॉ इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इन इंडिया" विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया। अपने शोध विवरण में उन्होंने यह रेखांकित किया कि डिजिटल युग में शासन–प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच पारदर्शिता एवं संतुलन कैसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा को सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने बताया कि तकनीक का इस्तेमाल केवल सुविधा का संवर्धन नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इस प्रस्तुति में भारतीय न्यायिक व्यवस्था की बदलती कार्यप्रणाली पर भी संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली दृष्टि डाली गई, जिससे श्रोताओं में भारत के मॉडल को लेकर विशेष रुचि उत्पन्न हुई।

वहीं, डॉ. अमित कुमार ने "एनालिसिस ऑफ द डायकॉटमी ऑफ मैंडेटरी एंड वॉलंटरी मीडिएशन अंडर कमर्शियल कोर्ट्स एक्ट एंड मीडिएशन एक्ट, 2023" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए वाणिज्यिक विवादों में अनिवार्य एवं वैकल्पिक मध्यस्थता के द्वैत स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने तर्क दिया कि मध्यस्थता केवल अदालतों पर भार कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यापारिक रिश्तों को सम्मानजनक ढंग से सहेजने की एक मानवीय और व्यावहारिक प्रक्रिया है। इस प्रस्तुति से उपस्थित प्रतिनिधियों ने भारतीय विधि–प्रणाली में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों को गहराई से समझा और कई देशों के विशेषज्ञों ने इसे अध्ययन योग्य मॉडल बताया।

दोनों शिक्षकों की सहभागिता ने न केवल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक आत्मविश्वास और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग को मजबूत किया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय विधि विमर्श की सक्रिय और प्रासंगिक उपस्थिति को भी रेखांकित किया। सम्मेलन के दौरान अनेक देशों के प्रतिभागियों ने कुवि के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर भविष्य में संयुक्त शोध, फैकल्टी एक्सचेंज तथा शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं पर रुचि जताई।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि कुवि न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा का उद्देश्य केवल न्यायिक प्रक्रियाओं की समझ तक सीमित नहीं, बल्कि विश्व शांति और मानवता के उत्थान में योगदान देना भी है, और हमारे शिक्षकों ने इस मूल भावना को सशक्त तरीके से दुनिया के सामने रखा है।

इतिहास विभाग के छात्रों का संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग द्वारा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अभिलेखागार और राष्ट्रीय संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्काइव्स एंड रिकॉर्ड मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के विद्यार्थी और विभाग के शोधार्थी शामिल हुए।

इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मबीर के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को अभिलेख संरक्षण, प्रबंधन पद्धतियों तथा ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की प्रक्रिया से अवगत करवाना था। उन्होंने बताया कि अभिलेखागार और संग्रहालय इतिहास अध्ययन की आधारशिला हैं और वास्तविक स्रोतों के साक्षात्कार से ही शोध क्षितिज का विस्तार संभव है।

भ्रमण के दौरान डॉ. श्वेता कश्यप और नरदेव ने छात्रों को अभिलेख संरक्षण और संग्रहालय संरचना से संबंधित तकनीकी व व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

राष्ट्रीय अभिलेखागार में डॉ. हितेंद्र और डॉ. रीटा ने अभिलेखागार के महत्व, डिजिटलीकरण, संरक्षण तकनीकों, दस्तावेजों की श्रेणीबद्धता और शोध संसाधनों की उपलब्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय संग्रहालय में छात्रों ने प्राचीन मूर्तिकला, पांडुलिपियों, कलाकृतियों और भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अनमोल वस्तुओं का अवलोकन किया। विभिन्न सभ्यताओं और ऐतिहासिक कालखंडों से जुड़ी सामग्री ने छात्रों के ज्ञान को समृद्ध किया।

इस शैक्षणिक यात्रा ने विद्यार्थियों को न केवल इतिहास के व्यावहारिक पक्ष से जोड़ा, बल्कि संग्रहालय विज्ञान एवं अभिलेख प्रबंधन जैसे उभरते क्षेत्रों में करियर विकल्पों से भी अवगत कराया। विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मबीर ने कहा कि इस निशैक्षिक भ्रमण में छात्रों ने बहुत कुछ सीखा है, भविष्य में भी विभाग ऐसे कार्यक्रम आयोतिज करेगा।

शैक्षणिक
भ्रमण

चार साहिबजादों व माता गुजरी जी की शहादत को नमन

साहिबजादों का बलिदान सत्य और धर्म की रक्षा का उदाहरण: कुलपति

कुवि परिसर। इंडिपेंडेंट स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (इसवा) द्वारा 24 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में सिख इतिहास की अमर विभूतियों–चार साहिबजादों एवं माता गुजरी जीकृकी पावन शहादत को समर्पित श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुलपति कार्यालय पार्क तथा यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहिबजादों का बलिदान अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध, सत्य और धर्म की रक्षा का अतुलनीय उदाहरण है। यह शहादत कालजयी प्रेरणास्त्रोत है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव मार्गदर्शन प्रदान करती रहेगी। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल ने कहा कि चार साहिबजादों एवं माता गुजरी जी का त्याग न केवल सिख इतिहास बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीदों की जीवनगाथा अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध सत्य एवं धर्म के पथ पर अडिग रहने का संदेश देती है।

इसवा के तत्वावधान में यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में फिल्म "चार साहिबजादे" की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। स्क्रीनिंग के बाद श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया तथा लंगर सेवा की गई।

इस अवसर पर प्रो. परमेश कुमार, प्रो. दीपक बब्बर, प्रो. आनंद कुमार, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. गुरप्रीत सिंह, डॉ. हरविंदर लोंगोवाल, प्रिंसिपल सुखविंदर सिंह, राजवंत कौर, गमदूर सिंह, अनमोल सिंह, धर्मप्रीत, संदीप, सुनील कुमार, मंजीत सिंह, जगमीत सिंह, सुखराज सिंह, प्रभकीरत सिंह, करनप्रीत सिंह, रवजीत सिंह, वैश्वी शर्मा, गुंजन शर्मा, दीपांशु सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कर विद्यार्थी बढ़ा सकेंगे जरूरी स्किल

खेल प्रदर्शन से करियर तक: केयू का नया स्पोर्ट्स डाइटीशियन कोर्स युवाओं के लिए लॉन्च

कुवि परिसर। तेजी से बदलते खेल जगत में खिलाड़ियों की फिटनेस, आहार आदतों और प्रदर्शन प्रबंधन में विशेषज्ञों की भूमिका बढ़ती जा रही है। इन्हीं समकालीन आवश्यकताओं को देखते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने सत्र 2025–26 के लिए 'सर्टिफिकेट कोर्स इन स्पोर्ट्स डाइटीशियन' की शुरुआत की है। खेल पोषण के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह कोर्स एक सशक्त मंच साबित हो सकता है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो चुकी है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 7 जनवरी 2026 (रात्रि 11:59 बजे तक) निर्धारित की गई है। तीन माह अवधि का यह प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम इवनिंग सेशन में सेल्फ–फाइनेंसिंग स्कीम के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। यह कोर्स खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप संतुलित आहार, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन प्लानिंग, मसल रिकवरी एवं हेल्थ मैनेजमेंट जैसे प्रमुख आयामों पर केंद्रित होगा।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि पाठ्यक्रम में 30 सीटें एवं 17 सुपरन्यूमैरेरी सीटें निर्धारित की गई हैं। प्रवेश क्वालीफाइंग परीक्षा की मेरिट व नियमानुसार वेटेज के आधार पर होगा। कोर्स में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 में 55 प्रतिशत अंक निर्धारित है। आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा प्रवेश पोर्टल के माध्यम से किए जा सकते हैं। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 1200 रुपये व हरियाणा राज्य के एससी, बीसी वर्ग के लिए 300 रुपये निर्धारित किया गया है।

प्रवेश प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों की प्रथम सूची 8 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय वेबसाइट–आईयूएमएस पोर्टल पर जारी की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों के मूल प्रमाणपत्रों का सत्यापन 8 व 9 जनवरी को शारीरिक शिक्षा विभाग में किया जाएगा। रिक्त सीटों के लिए दूसरी सूची 12 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे विभागीय सूचना पट्ट एवं वेबसाइट पर प्रदर्शित होगी। चयनित अभ्यर्थियों के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 13 जनवरी तय की गई है, जबकि कक्षाएं 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ होंगी। पाठ्यक्रम की कुल फीस 6300 रुपये निश्चित की गई है।

पेशेवर कोर्सेज रोजगार के लिए अच्छे विकल्प

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि आज शिक्षा जगत में केवल परंपरागत पाठ्यक्रमों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वक्त की मांग के अनुसार नए विषयों और पेशेवर कौशल आधारित कोर्सेस ही युवाओं को सही दिशा व बेहतर रोजगार अवसर प्रदान कर सकते हैं। ऐसे में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय निरंतर समय के साथ तालेमेल बैठाते हुए पाठ्यक्रम संरचना में नवीनीकरण कर रहा है, ताकि विद्यार्थी आधुनिक दुनिया की प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। विश्वविद्यालय में हाल के वर्षों में शुरू किए गए विभिन्न कौशल–आधारित, इंडस्ट्री ओरिएंटेड और उभरते क्षेत्रों के पाठ्यक्रम इसके प्रमाण हैं। खेल व फिटनेस उद्योग के तेजी से विस्तार को देखते हुए विशेषज्ञों का मत है कि स्पोर्ट्स डाइटीशियन के रूप में प्रशिक्षित युवा जिम, खेल अकादमियों, फिटनेस क्लबों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों, स्पोर्ट्स टीमों, हॉस्पिटल्स एवं फ्रीलांस कंसल्टेंसी जैसे क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं।

समाज में बराबरी से ही देश की प्रगति संभव: प्रो. लूदरी

कुवि परिसर। विश्वविद्यालय के विधि संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. अमित लूदरी ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान एक सर्वसमावेशी दस्तावेज है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अवसर और अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब समाज के हर वर्ग को न्याय, सम्मान और बराबरी का वातावरण सुनिश्चित हो।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए उप–निदेशक डॉ. रमेश सिरोही ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा हेतु 2016 में विशेष अधिनियम पारित किया गया, जो शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन के अवसर सुनिश्चित करता है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों में सम्वेदनशीलता और जागरूकता का निर्माण करते हैं।

कौशल विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान समय की मांग: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

केयू के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र द्वारा एआई व डाटा एनालिटिक्स पर साप्ताहिक कार्यशाला का समापन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि युवाओं में कौशल विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का ज्ञान अत्यंत आवश्यक हो गया है। डिजिटल युग में एआई और डाटा एनालिटिक्स न केवल शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, उद्योग और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला रहे हैं, बल्कि हमारी दैनिक जीवनशैली को भी अधिक सुगम और प्रभावी बना रहे हैं।

वे 2 जनवरी को केयू सीनेट हॉल में विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता एवं रोजगार केन्द्र द्वारा आयोजित एआई व डाटा एनालिटिक्स विषयक साप्ताहिक कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि एआई आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और इससे दूरी बनाना संभव नहीं है। एआई के विभिन्न अनुप्रयोगों को समझकर और अपनाकर हम अपने कार्यों की गुणवत्ता एवं दक्षता में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिसके माध्यम से युवा आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनकर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भविष्य की दुनिया एआई और डाटा एनालिटिक्स पर आधारित होगी, इसलिए इन तकनीकों को समझना और अपनाना सभी के लिए अनिवार्य है। एआई छात्रों में तार्किक सोच, समस्या–समाधान और नवाचार की क्षमता को बढ़ाता है, जबकि डाटा एनालिटिक्स के माध्यम से विद्यार्थी आंकड़ों का विश्लेषण कर सटीक निष्कर्ष निकालना सीखते हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, प्रबंधन और उद्योगों की प्रमुख आवश्यकता है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए केन्द्र को बधाई दी तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किए।

केयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर राकेश कुमार ने कहा कि यह धारणा सही नहीं है कि एआई से रोजगार के अवसर कम होंगे। वास्तव में एआई के माध्यम से नए और अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और कौशल को निरंतर अपडेट करता रहे।

इस अवसर पर कोड कोशेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण गोयत ने विद्यार्थियों को एआई और डाटा एनालिटिक्स के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। प्रो. जसविन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष प्रो. अनिल मित्तल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. प्रदीप कुमार ने कार्यशाला में आयोजित विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। केन्द्र के समन्वयक डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि एमबीए विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला के दौरान प्रो. राजेश कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजेन्द्र नाथ, प्रो. प्रदीप मित्तल, डॉ. गिरधर, डॉ. सुरेन्द्र कुमार एवं अरुण गोयत ने पाइथन, आर और मशीन लर्निंग के माध्यम से एआई व डाटा एनालिटिक्स की तकनीकी बारीकियों पर व्याख्यान दिए।

कार्यशाला की रिपोर्ट प्रतिभागी एमबीए छात्रा ख्वाईश ने प्रस्तुत की। मंच संचालन एमबीए छात्रा श्रुति शर्मा, दिपांश और गुरलीन कौर ने किया। इस अवसर पर प्रो. निर्मला चौधरी सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. वी. एन. अत्री ने जकार्ता में किया भारत का प्रतिनिधित्व

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय इंडो–पैसिफिक अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. वी. एन. अत्री ने 8 दिसंबर को जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित 'आसियान इंडो–प्रशांत दृष्टि संगोष्ठी: समुद्री संरक्षण व संवर्धन' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें यह दायित्व केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामित किए जाने पर प्राप्त हुआ।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में पैनल वक्ता के रूप में प्रो. वी. एन. अत्री ने 'नीली अर्थव्यवस्था के अवसर' विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने वर्ष 1994 से 2025 तक नीली अर्थव्यवस्था के विकास, उसकी अवधारणा, उपयोगिता और वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रो. वी. एन. अत्री ने इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के दूरदर्शी नेतृत्व ने ही उन्हें वैश्विक मंच पर भारत और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा दी।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस अवसर पर प्रो. अत्री की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समुद्री संरक्षण, समुद्री परिवहन, तटीय विकास, खनिज संसाधनों के सतत उपयोग और समुद्री पर्यटन जैसे विषयों पर प्रो. अत्री के विचार न केवल अकादमिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भारत और आसियान देशों के बीच समुद्री सहयोग को नई दिशा प्रदान करेंगे। उन्होंने वर्ष 2026 को आसियान–भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किए जाने को भी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों–कर्मचारियों को दी गई भावपूर्ण विदाई

शिक्षक एवं कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार: प्रो. सचदेवा

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 31 दिसंबर को दो शिक्षकों और दो गैर–शिक्षक कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति अवसर पर प्रशासन द्वारा भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की प्रगति में उसके शिक्षक और कर्मचारी ही उसका सबसे मजबूत आधार होते हैं। विश्वविद्यालय की उन्नति में उनके योगदान को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा जाएगा। कुलपति ने कहा कि कर्मचारियों का अनुभव विश्वविद्यालय की अमूल्य पूंजी है। उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य व सुखमय जीवन की कामना की।

विदाई समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए व भरोसा दिलाया कि आवश्यकता पड़ने पर वे सहयोग को तत्पर रहेंगे। सेवानिवृत्त होने वालों में डॉ. अनिता रानी दुआ (बायोकैमिस्ट्री), पुष्प लता (टीजीटी हिंदी), संतोष रानी (जे.एल.एन. पुस्तकालय) व ईश्वर सिंह (यूसिक) शामिल हैं। इस अवसर पर प्रो. अवनीश वर्मा, प्रो. अश्विनी कुश, कुटा प्रधान डॉ. जितेंद्र खटकड़, प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. चेतन शर्मा व विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय शिक्षक क्लब का प्रयास, बाल दिवस समारोह का भव्य आयोजन

दो दिवसीय कार्यक्रम में झलका उत्साह, प्रतिभा और पारिवारिक एकजुटता का समायोजन

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक क्लब द्वारा 27 एवं 28 दिसंबर को आयोजित बाल दिवस समारोह में विश्वविद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। क्लब परिसर में हुए इस भव्य आयोजन में शिक्षकों के परिवारों के बीच आपसी सौहार्द बढ़ा और बच्चों को अपने व्यक्तित्व एवं कौशल की अभिव्यक्ति का रचनात्मक मंच मिला।

समारोह के पहले दिन 27 दिसंबर को श्रीमद्भगवद्गीता सदन के सामने वाले मैदान में पारंपरिक एवं मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बोरी दौड़, नींबू–चम्मच दौड़, रस्साकशी आदि में शिक्षकों ने खेल कौशल का परिचय दिया। बच्चों के लिए स्लो साइक्लिंग, गुब्बारा फोड़, बोरी दौड़ एवं नींबू–चम्मच दौड़ ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। जीत–हार से परे खेल भावना और उमंग ने सभी को प्रोत्साहित किया।

दूसरे दिन 28 दिसंबर को शिक्षक क्लब परिसर में सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का दौर रहा। चित्रकला, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, कविता पाठ, गायन और एकल नृत्य में बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता देखते ही बनती थी। दर्शकों की तालियों और निर्णायकों की प्रशंसा ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

रंगों, संगीत और नृत्य से सजी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को उत्सव का रूप दे दिया। कई प्रस्तुतियों में सामाजिक संदेश और रचनात्मक सोच की झलक भी दिखी। चेहरे पर मुस्कान और यादगार पलों की सौगात लिए प्रतिभागी और परिजन क्लब परिसर से रवाना हुए।

शिक्षक क्लब के प्रधान डॉ. ज्ञान चहल ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी प्रतिभागियों, सदस्यों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब भविष्य में भी इसी प्रकार के रचनात्मक और सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

'ऐसे प्रयास सकारात्मक एवं जीवंत परंपरा का उदाहरण'

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने शिक्षक क्लब को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ न केवल शिक्षकों और परिवारों के मध्य संबंधों को मजबूत करती हैं, बल्कि बच्चों को आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास के अवसर भी प्रदान करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि समग्र शिक्षा की दृष्टि से इस प्रकार की सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियाँ अनिवार्य हैं। शिक्षक क्लब का यह प्रयास विश्वविद्यालय की सकारात्मक एवं जीवंत परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

छोटे साहिबजादे और साहस की अमिट मिसाल: डॉ. कुलदीप

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के नेतृत्व में पंजाबी विभाग द्वारा छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की अद्वितीय शहादत को समर्पित एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। पंजाबी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह ने छोटे साहिबजादों की अनुपम शहादत को नमन करते हुए कहा कि छोटे साहिबजादे धर्म, सत्य और साहस की अमिट मिसाल थे।

डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि पौह का महीना सिख इतिहास में शहादत का महीना माना जाता है। सरबंस दानी गुरु गोबिंद सिंह जी की अनुपम कुर्बानी ने मानवता के कल्याण के लिए जो बलिदान दिया, उसकी विश्व में कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि साहिबजादों की अनुपम शहादत अवर्णनीय है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को धर्म, सत्य और अटूट साहस के मूल सिद्धांतों से जोड़ना है।

इस अवसर पर विद्वान वक्ता सरदार गुरमीत सिंह और सरदार बूटा सिंह ने सिख इतिहास पर प्रकाश डालते हुए छोटे साहिबजादों की निडरता, धार्मिक दृढ़ता और अत्याचार के सामने न झुकने वाली सोच पर विस्तार से चर्चा की। आए हुए विद्वानों ने इस बात पर जोर दिया कि आज के सामाजिक और नैतिक संकटों के समय में छोटे साहिबजादों की कुर्बानी हमें सत्य, न्याय और आत्म–सम्मान के लिए डटे रहने की प्रेरणा देती है। विद्यार्थियों ने भी विचार–विमर्श में सक्रिय भाग लिया।

पंजाबी विभाग के शोधार्थी मलकीत सिंह द्वारा साहिबजादों की स्मृति में उन्हें समर्पित कविशरी का गायन किया गया। सेमिनार के दौरान विभाग के अध्यापक डॉ. लता खेड़ा, डॉ. गुरप्रीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्रोफेसर और शोधार्थी उपस्थित रहे।

KU research offers new hope for restoring ecological harmony

Butterflies Turned Kurukshetra into a Living Laboratory

Dr. Pardeep Rai (Faculty)
KU Newletter

University research is not meant for academic journals alone. Many discoveries quietly unfolding in classrooms, laboratories and field surveys have the power to speak to ordinary people, changing the way they see everyday life. One such example comes from Kurukshetra University, where butterflies have become storytellers of nature, climate, and coexistence. Their delicate wings are carrying messages not just for scientists, but for all of us.

A year-long study by the Department of Zoology has revealed that District Kurukshetra, often recognised as a pilgrimage destination and for its vast stretches of agricultural land, is home to a surprisingly rich butterfly population. Research scholar Reetu Boora, under the supervision of Dr. Deepak Babbar, spent twelve months documenting these winged wonders across the district. The work took them from canal-side vegetation and crop fields to city parks, gardens, and wetlands. What emerged was an unexpected portrait of biodiversity thriving quietly amidst human activity.

The researchers recorded 50 species of butterflies, representing 38 genera and belonging to five major families.

Mottled Emigrant

Common Jay

Peacock Pancy

Danaid Eggfly

The most dominant among them was the Nymphalidae family, which includes many familiar species seen fluttering around open fields and gardens. This was followed by Lycaenidae and Pieridae, indicating that Kurukshetra still retains a diversity of host and nectar plants that support their life cycle.

"What surprised us the most was not just the diversity but the resilience of these species," says research scholar Reetu Boora. "Even in spaces that appear ordinary or heavily modified by humans, butterflies continue to find ways to survive."

One of the most remarkable findings was the presence of the Danaid Eggfly, a butterfly now protected under the Wildlife (Protection) Amendment Act, 2022. Its presence in Kurukshetra adds conservation significance to the region and indicates that the district still offers habitats worthy of protection.

"This research is a reminder that conservation is not limited to sanctuaries and forests," says supervisor Dr. Deepak Babbar. "Conservation can begin at our doorstep and even in our backyards."

The study also revealed how closely butterfly populations are woven with climate and seasonal cycles. Diversity peaked twice a year: in October, after the monsoon bloom, and in April, when the spring landscape is at its colourful best. Winter saw a noticeable decline, as harsh temperatures restrict movement and reduce available food sources. Using statistical models, the researchers were able to show that temperature, humidity, air pressure and habitat variation all influence butterfly behaviour and distribution.

The research team believes this study can act as baseline data for future ecological assessments in Kurukshetra. It may also serve as a guide for schools, municipal bodies, farmers and residents. Simple actions can support butterfly conservation: growing native flowering plants, reducing chemical pesticides, creating pollinator gardens, and protecting canal banks and water bodies from pollution.

At a time when climate change and environmental degradation often dominate headlines, this study offers a quieter alternative: hope. Hope that biodiversity can survive even in shared spaces. Hope that scientific knowledge can guide public participation.

Experiences from the Media *Chaupal* at *Swadeshi Mahotsav* 2025

When Tradition Met Technology: A Student Memoir from IMCMT's Media Chaupal

Arjun Singh
KU Newsletter

For us, the students of the Institute of Mass Communication and Media Technology (IMCMT), Kurukshetra University, the journey to the Media *Chaupal* at *Swadeshi Mahotsav* 2025 was not just an academic assignment—it felt like stepping into a living memoir. We did not realise when preparation turned into passion, when responsibilities turned into learning, and when our individual efforts merged into a collective experience we now remember fondly.

At the Parade Ground in Sector-5, Panchkula, surrounded by the colours, rhythms and flavours of the *Swadeshi Mahotsav*, a small corner became the centre of our world—a space we designed, arranged and nurtured: the Media *Chaupal*.

The concept was unusual, even a little bold—to bring the modern medium of podcasts into a setting that resembled a traditional *Haryanvi Chaupal*. Rope cots, earthen pots, charpais, wooden planks, clay lamps, and in the middle of it all, microphones, cameras and recording consoles. Visitors would pause, look again, and finally step in with curiosity that soon became connection.

Our roles were as diverse as our learnings—anchoring, sound engineering, camera handling, coordination with guests, shooting reels, scripting introductions, managing on-ground movement. We realised that media education is not just a field—it is a lived practice.

Under the mentorship of coordinator Dr. Satish Rana, we learned the nuances of podcasting— from voice modulation and storytelling rhythm to handling equipment with precision and confidence, and above all, understanding the pulse of the audience.

The idea of the Media Chaupal is the brainchild of IMCMT Director Prof. Maha Singh Poonia, whose vision shaped the entire initiative. He shared that Media Chaupal is not just an event, but an experiment in cultural communication.

Chief Minister Nayab Singh Saini's visit was a defining moment. His words on Vocal for Local added depth to the purpose of the Chaupal. Our conversations with him did not feel like an interview; rather, they felt like encouragement—gentle, dignified, and motivating. Prof. Somnath Sachdeva, Vice-Chancellor, Kurukshetra University, visited and appreciated the initiative.

Reflections We(students) Carry Home

"*Anchoring the Media Chaupal was not about asking questions—it was about receiving stories. Every guest, whether a scholar, artist, political leader or visitor, helped me grow a little. I entered with nervousness and left with confidence I did not know I could carry.*" — **Arjun Singh.**

"*I learned that the best interviews are conversations, not interrogations.*" — **Anjali.**

"*For the first time, media felt human, not just technical.*" — **Tanvi.**

"*I didn't just hold a mic; I held responsibility.*" — **Mohit.**

एनआरई पूर्व छात्र ने कैंपस सौंदर्यीकरण हेतु दिया पांच लाख डॉलर का अनुदान

पूर्व छात्र का कुवि से अनुराग, बना विकास का पराग

कुवि परिसर। विश्वविद्यालय के विधि विभाग के पूर्व छात्र और अमेरिका निवासी हेमंत गुप्ता ने अपने कुवि से जुड़े भावनात्मक रिश्ते को ठोस योगदान में बदलते हुए यह उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके सहयोग से विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रोज गार्डन का व्यापक सौंदर्यीकरण किया जाएगा और यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त कैफेटेरिया का निर्माण भी किया जाएगा।

पूर्व छात्र हेमंत गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी नलिनी गुप्ता ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन को रोज गार्डन के विकास के लिए कुल 5 लाख डॉलर की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया है। इसमें से लगभग पौने दो करोड़ रुपये की राशि का चेक पहले ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा और एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल को सौंपा जा चुका है। शेष राशि भी शीघ्र मिलने की संभावना है। यह पूरी धनराशि रोज गार्डन के नवीनीकरण, सौंदर्यीकरण और दीर्घकालिक संरक्षण पर व्यय की जाएगी।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने इस अवसर पर कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को देश और विदेश में जो मान–सम्मान प्राप्त हो रहा है, उसमें उसके पूर्व विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि कुवि के एलुमनी न केवल वैश्विक मंच पर विश्वविद्यालय की पहचान को सुदृढ़ कर रहे हैं, बल्कि उनका विश्वविद्यालय से जुड़ा अनुराग परिसर को और अधिक सुंदर, हरित और सशक्त बनाने में भी योगदान दे रहा है। कुलपति ने कहा कि पूर्व छात्र हेमंत गुप्ता जैसे एलुमनी पूरे विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणा हैं और उनके योगदान पर कुवि को विशेष गर्व है।

कुलपति ने बताया कि इस सहयोग से रोज गार्डन को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान किया जाएगा। प्रस्तावित योजनाओं के अंतर्गत कैफेटेरिया की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय प्रजातियों के गुलाबों और फूलों का रोपण, नई पाथवे और हरित गलियारों का विकास, पर्यावरण–अनुकूल प्रकाश व्यवस्था, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आगंतुकों के लिए आधुनिक बैठने की सुविधाएँ, वर्षा जल संचयन प्रणाली, उन्नत सिंचाई तकनीक, ओपन–एयर लर्निंग स्पॉट और फोटोग्राफी जोन विकसित किए जाएंगे।

प्रो. सचदेवा ने कहा कि यह पहल न केवल रोज गार्डन को नया जीवन देगी, बल्कि छात्रों के लिए प्रेरणादायक और सृजनात्मक वातावरण तैयार करेगी। यह स्थल भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर का एक प्रमुख आकर्षण बनने के साथ–साथ अध्ययन, संवाद और विश्राम का सशक्त केंद्र भी होगा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल और उप–निदेशक डॉ. कंवल गर्ग ने कहा कि रोज गार्डन लंबे समय से विश्वविद्यालय परिसर की पहचान रहा है। इस आर्थिक सहयोग से इसका स्वरूप और अधिक भव्य, उपयोगी और आकर्षक बनेगा, जिससे विश्वविद्यालय समुदाय के साथ–साथ आगंतुक भी लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय युवा दिवस की धूम

कुलपति प्रो. सचदेवा ने किया तैयारियों का मुआयना

कुवि परिसर। राष्ट्रीय युवा दिवस को लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में उत्साह चरम पर है। परिसर के हर कोने में युवा ऊर्जा, नवाचार और सृजनात्मकता की गूंज सुनाई दे रही है। विभागीय समन्वय से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल तक– हर स्तर पर तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसी क्रम में कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने आयोजनों की रूपरेखा का मुआयना करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि "युवा शक्ति ही भविष्य की आधारशिला है, और इस आयोजन में वही जोश स्पष्ट दिख रहा है।"

कुलपति प्रो. सचदेवा ने कार्यक्रम स्थलों, मंच सज्जा, तकनीकी व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन से जुड़े अधिकारियों व स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह दिवस विश्वविद्यालय के लिए नए मानक स्थापित करेगा और छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल कैंपस को जीवंत बनाते हैं बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता और रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित करते हैं।

विश्वविद्यालय में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के दौरान विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें युवाओं के मानसिक एवं बौद्धिक विकास पर विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक संध्या, खेल प्रतियोगिताएं, योग एवं ध्यान सत्र, पोस्टर–मेकिंग, वाद–विवाद प्रतियोगिता और मॉडर्न टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी शामिल है। विभिन्न विभागों और छात्र संगठनों के सहयोग से यह आयोजन बहुआयामी स्वरूप ले रहा है।

कार्यक्रम संयोजकों ने बताया कि इस वर्ष युवाओं की सक्रिय भागीदारी पिछले वर्ष की तुलना में कहीं अधिक है। रिहर्सल से लेकर मंच प्रबंधन और प्रचार–प्रसार तक छात्र अपनी भूमिकाओं को बड़ी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस के मुख्य आयोजन सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आरंभ होंगे। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञ वक्ता मार्गदर्शन देंगे। समारोह का समापन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करके किया जाएगा।

डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी मार्गदर्शक: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

केयू परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

कुवि परिसर। भारतीय संविधान के निर्माता, महान विधिवेत्ता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर 6 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विधि संकाय परिसर में स्थापित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार और सिद्धांत आज भी समाज और राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता, समानता और न्याय की स्थापना के लिए डॉ. अंबेडकर ने जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके सिद्धांतों को केवल स्मरण करना ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने आचरण में अपनाना समय की आवश्यकता है।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, विधि संस्थान के निदेशक प्रो. अमित लूदरी, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. सुशीला देवी चौहान, प्रो. कृष्णा देवी, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. सुरेश कुमार, प्रो. महाबीर रंगा, प्रो. महाबीर नरवाल, प्रो. रीटा, डीवाईसीए निदेशक प्रो. विवेक चावला, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. कुसुमलता, डॉ. सलोनी दीवान, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. कृष्णा अग्रवाल, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. नीरज बातिश, डॉ. निधि माथुर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केयू न्यूज लेटर के नौवें अंक का विमोचन

केयू न्यूज लेटर संस्कृति और शिक्षा का सशक्त माध्यम: प्रो. राकेश कुमार

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संपादित केयू न्यूज लेटर के नौवें अंक का विमोचन 9 दिसंबर को डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार ने किया।

इस अवसर पर प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि केयू न्यूज लेटर न केवल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभावी प्रसार कर रहा है, बल्कि हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और गीता के संदेशों को भी जन–जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने एडिटर इन चीफ प्रो. महासिंह पूनिया, संपादकीय टीम और विद्यार्थियों के योगदान की सराहना की।

संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि दिसंबर अंक में अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन–2025 और हरियाणा पैवेलियन की गतिविधियों को विशेष रूप से स्थान दिया गया है। मीडिया चौपाल के माध्यम से हरियाणा की संस्कृति, आत्मनिर्भर भारत और विभिन्न विभागों के स्टॉल्स का व्यापक प्रचार किया गया। विमोचन अवसर पर डॉ. अभिनव, डॉ. तपेशकिरण, डॉ. प्रदीप कुमार और अमित जागड़ा उपस्थित रहे।

अटल जयंती पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

अटल स्मृति में काव्य सरिता बही, देशभक्ति से सराबोर कुवि

कुवि परिसर। 25 दिसंबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर अदबी संगम सुर संगम कला मंच एवं गुलजारी लाल नंदा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। देशभर से आए कवियों, साहित्यकारों व श्रोताओं ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी राजनीति के सिर्फ शिखर पुरुष नहीं थे, वे शब्दों के साधक और संवेदनशील हृदय वाले कवि थे। उनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम की मिट्टी की सोंधी खुशबू और मानवीय मूल्यों की स्वर्णिम चमक बसती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को विचारों और सृजनशीलता की उस धारा से जोड़ते हैं, जो समाज को दिशा देती है।

कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. शुचिस्मिता ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए कहा कि साहित्य संवाद का वह पुल है जो पीढ़ियों, विचारों और संस्कृतियों को जोड़ता है। डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि अटल जी की कविताएँ केवल पंक्तियाँ नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का संगीत हैं।

कवि सम्मेलन में मीरा गौतम, सुमन जैन, सूबे सिंह 'सुजान', गायत्री कौशल, विशाल शर्मा, योगेश 'योगी', ज्योतिरमा नारंग, अमित शर्मा, आर.के. सुखीजा सहित अनेक हस्तियों ने अपनी रचनाओं से समां बाँधा।

डॉ. मंजीत सिंह की पुस्तक "रमजा–ए–उर्दू" का विमोचन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। मंच संचालन डॉ. गायत्री कौशल ने सहजता और गरिमा के साथ किया। अटल जी की कविताओं से पूरा परिसर सृजन, संवेदना और राष्ट्रप्रेम से सराबोर दिखाई दिया।

कुवि की टीम ने राज्य युवा उत्सव में रचा इतिहास, पहला स्थान हासिल

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने टीम को दी बधाई, अब 12 जनवरी को नई दिल्ली जाएंगे विद्यार्थी

FIRST PRIZE GROUP EVENT
One Lac Ten Thousand Only
₹ 1,10,000/-

कुवि परिसर। पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में 8 से 10 दिसंबर 2025 तक आयोजित राज्य युवा उत्सव–2025 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ग्रुप डांस टीम ने अपने ऊर्जावान और प्रभावशाली प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम ने फोक डांस श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की, बल्कि पूरे प्रदेश में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

इस उपलब्धि पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विजेता टीम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता और विद्यार्थियों की सृजनशीलता का प्रमाण है। उन्होंने छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी और सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. मीनाक्षी सुहाग के मार्गदर्शन की भी सराहना की तथा टीम को राष्ट्रीय युवा उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर ए. आर. चौधरी ने कहा कि राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचना छात्राओं की प्रतिभा, परिश्रम और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और गर्व का वातावरण बना है और आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. मीनाक्षी सुहाग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश की 22 टीमों ने भाग लिया था, जिनमें से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की 10 छात्राओं की टीम ने अपनी विशिष्ट प्रस्तुति, तालमेल, तकनीक और लोक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति से निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम में लक्ष्मी, भूमि, अन्नपूर्णा, खुशी, प्रीति, निहारिका, कशिश, मुस्कान, नेहा और विशु शामिल हैं। टीम को 1 लाख 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि का चेक प्रदान किया गया तथा प्रत्येक छात्रा को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. मीनाक्षी सुहाग ने बताया कि अब यह विजेता टीम 12 से 14 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में हरियाणा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का पूरे उत्साह के साथ प्रतिनिधित्व करेगी।

लोक संपर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि यह टीम छात्र अधिष्ठाता कार्यालय के माध्यम से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजी गई थी। पूरी टीम का मार्गदर्शन डॉ. मीनाक्षी सुहाग ने किया, जबकि सन्नी कुमार, मंजीत, राकेश और नीरज ने तैयारी से लेकर प्रस्तुति तक महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

कुवि में 31वां एनईपी जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में महात्मा मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर द्वारा 9 दिसंबर को दो दिवसीय 31वां एनईपी जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्र विविधता, समावेशी शिक्षा और उच्च शिक्षा की सामाजिक भूमिका पर जागरूकता बढ़ाना था।

प्रथम सत्र में मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद की प्रो. सनीम फातिमा ने कहा कि छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करना है। उन्होंने जेंडर–संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण पर बल दिया। डॉ. बुद्ध सिंह, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने समावेशी शिक्षा में शिक्षकों और संस्थानों की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विधार्थियों को जेंडर–संवदेनशील बनाने में सबसे अधिक योगदान उच्च शिक्षण संस्थानों का है। शिक्षकों को इस बात पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है कि विद्यार्धी जेंडर संबंधी पूर्वाग्रह न अपनाएं।

दूसरे दिन प्रो. निशि पांडे ने उच्च शिक्षा और समाज के संबंधों पर प्रकाश डाला। डॉ. एस. के. चतुर्वेदी ने उच्च शिक्षा से जुड़े कानूनी और नीतिगत पहलुओं को रेखांकित किया। केंद्र की निदेशिका प्रो. प्रीति जैन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम अकादमिक जगत में संवेदनशीलता और समानता को बढ़ावा देते हैं।

कार्यकारिणी परिषद द्वारा 6 शिक्षकों की सीनियर प्रोफेसर पद पर पदोन्नति

कुवि परिसर। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में 30 दिसंबर को आयोजित विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद की बैठक में 17 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में चयन समितियों की संस्तुतियों के आधार पर छह शिक्षकों को सीनियर प्रोफेसर पद पर पदोन्नति दी गई। पदोन्नति प्राप्त करने वाले शिक्षकों में प्रो. रमेश भारद्वाज (सोशल वर्क विभाग), प्रो. अनिल मित्तल (यूएसएम), प्रो. ए.आर. चौधरी (जियोफिजिक्स विभाग), प्रो. दिनेश कुमार राणा (इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग), प्रो. अरविन्द कुमार मलिक (शारीरिक शिक्षा विभाग) और प्रो. आर.के. मोदगिल (भौतिकी विभाग) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. सुनील ढींगरा (यूआईईटी) और डॉ. कुलविन्द्र कौर (आईआईएचएस) को एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति प्रदान की गई।

डॉ. देवेंद्र कुमार आगामी तीन वर्षों के लिए गृह विज्ञान विभाग के अध्यक्ष बने

कुवि परिसर। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार गृह विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र कुमार को 19 दिसंबर से आगामी तीन वर्षों के लिए विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक संपर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. देवेंद्र कुमार एकेडमिक काउंसिल, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंस और बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेंगे। डॉ. देवेंद्र कुमार ने कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विभाग के शैक्षणिक और शोध कार्यों को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्य करेंगे।

केयू दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में एक जनवरी से नए दाखिले शुरू

कुवि परिसर। दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा यूजी, पीजी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। केंद्र की निदेशिका, प्रोफेसर मंजुला चौधरी ने बताया कि केंद्र में जुलाई 2026 के सेशन के दाखिले 6 ऑफलाईन प्रोग्राम्स व 20 ऑनलाईन प्रोग्राम्स पी.जी., यू.जी., डिप्लोमा, सर्टिफिकेट सहित विभिन्न विषयों में एक जनवरी 2026 से शुरू हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्र नए 14 करियर ओरिएंटेटिड प्रोग्रामस इस वर्ष जुलाई सत्र से आरम्भ करेगा। बी. एड. ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम तारीख 16 मार्च निश्चित की गई है बाकी सभी प्रोग्राम्स की अंतिम तारीख 30 मार्च है। वहीं केंद्र ड्यूल डिग्री की अनुमति देता है।

यूजी–पीजी प्राइवेट अभ्यर्थी 11 फरवरी तक परीक्षा के लिए आवेदन करें

कुवि परिसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने मई–जून 2026 में होने वाली यूजी और पीजी वार्षिक परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले प्राइवेट अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से शुरू कर दी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि अभ्यर्थी आईयूएमएस पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। फार्म भरने के लिए अंतिम तिथि 11 फरवरी 2026 बिना विलंब शुल्क निर्धारित की गई है, इसके पश्चात चरणबद्ध लेट फीस के साथ 20 मई 2026 तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। विलंब शुल्क क्रमशः ₹500, ₹1000, ₹5000, ₹10,000 और ₹12,000 रखा गया है।

कुवि में शोध का मान बढ़ा, पांच शोधार्थी पीएचडी के लिए पात्र घोषित

कुवि परिसर। 23 दिसंबर को आयोजित शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 5 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन शोधार्थियों को पात्र घोषित किया गया है, उनमें अजय कुमार (अंग्रेजी), नैंसी विजन (फाइन आर्ट्स), आशीष कुमार (केमिस्ट्री), सुरुचि सैनी (इलेक्ट्रॉनिक साइंस), मोनिका (लोक प्रशासन) शामिल हैं।

'ड्रीम्स' परियोजना टीम को सम्मान

कुवि परिसर। एएनआरएफ–पीएआईआर परियोजना के अंतर्गत संचालित 'ड्रीम्स' परियोजना की प्रगति रिपोर्ट की सफल प्रस्तुति पर कुवि के प्रमुख शोधकर्ताओं को 30 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित समीक्षा कार्यशाला के दौरान विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्रो. सुमन मेहंदिया (पीआई), प्रो. संजीव अग्रवाल (को–पीआई) व डॉ. विनिता भांकर के नाम शामिल हैं। यह सम्मान एचपीयू के कुलपति प्रो. महावीर सिंह एवं आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा द्वारा प्रदान किया गया। ड्रीम्स परियोजना टीम ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उच्च शोध गुणवत्ता और बेहतर अंतर–संस्थागत सहयोग का आधार बनेगा।

भाषा एवं कला संकाय द्वारा भारतीय भाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

कुवि परिसर। भाषा एवं कला संकाय ने 12 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस मनाया। यह दिवस भारतीय भाषा को जीवंत करने के लिए मनाया जाता है कार्यक्रम का मंच संचालन आरजू ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि भाषा को मानव के उन्नत बनने की दिशा में प्रथम कदम कहा जा सकता है। उर्दू विभाग के शिक्षक मनजीत सिंह ने कहा कि भाषा को संस्कृति की संवेदन तंत्रिका भी कहा जा सकता है क्योंकि उससे जुड़ा हर शब्द अपने साथ एक लंबा इतिहास लेकर चलता है। डॉ. रश्मि प्रभा ने विशेष रूप से कहा कि सभी भारतीय भाषाओं की साहित्यिक पृष्ठभूमि प्रायः समान है। संत काव्य की समान प्रवृत्ति है।

विधि विभाग ने मानवाधिकारों का महत्व विषय पर जागरुकता कैंप लगाया

कुवि परिसर। विधि विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर प्रीति जैन के निर्देशन में चेतना, स्वंयसेवी संस्था, मिर्जापुर (कुरुक्षेत्र) का दौरा किया, जहां विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. प्रियंका चौधरी, डॉ. अंजू बाला, डॉ. पूजा और डॉ. प्रीति भारद्वाज ने उपस्थित होकर शिक्षकों एवं बच्चों को मानवाधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस दौरे का उद्देश्य शिक्षकों में मानवाधिकारों से जुड़े मूल्यों जैसे समानता, न्याय और मानव गरिमा के प्रति समझ विकसित करना था। संकाय सदस्यों ने कहा कि मानवाधिकार दिवस समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और समरसता को बढ़ावा देने की प्रेरणा देता है तथा मानवाधिकार शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की महत्वपूर्ण नींव है।

7th December, 2025
Venue : Senate Hall, Kurukshetra University, Kurukshetra

सद्भावना एवं स्वदेशी की प्रेरणा”

Editor in Chief: Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA, Editor : Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., Design By: Sachin Kumar, Ph.D Scholar. IMC&MT, Printed by : KUK Press, Published By The Registrar, Kurukshetra University, Kurukshetra.
E-mail id- newsletter@kuk.ac.in